झारखण्ड सरकार
झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

अस्पतालों में अनुपस्थित रहने वाले चिकित्सकों पर होगी कार्रवाई : के0 विद्यासागर

रांची : नामकोम के आर0सी0एच0 परिसर स्थित आइ0पी0एच0 सभागार में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव के0 विद्यासागर ने विभाग के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी सिविल सर्जनों को निर्देश दिया कि उपलब्ध राशि से दवा खरीदने के कार्य को प्राथमिकता में लें। यदि किसी जिले में दवाओं की कमी होगी तो इसके लिए संबंधित सिविल सर्जन जिम्मेवार माने जाएंगे और उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाएगी। विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को प्रोन्नति देने की प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए वरीय और कनीय अधिकारियों को प्रोन्नति दी जाएगी।

बैठक में उन्होंने सभी जिला एवं प्रमंडल स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिलों में खरीदे गए एवं उपलब्ध उपकरणों की वर्षवार मैपिंग करें और इसके आधार पर संबंधित कर्मचारियों को पदस्थापित करें। दवा खरीद के लिए भी प्रक्रिया हरेक जिले में शुरू करने का निर्देश दिया। प्रधान सचिव ने चिकित्सीय जांच के क्रम में प्राप्त रोगों के लक्षणों को भी डायग्नोस्टिक के आधार पर रसीद में लिखने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्रों व अस्पतालों में अनुपस्थित चिकित्सकों पर कड़ी निगाह रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया और लगातार अनुपस्थित हो रहे चिकित्सकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक आशीष सिंहमार को दिया।

बैठक में प्रधान सचिव ने सभी एफ0आर0यू0 को मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश वरीय अधिकारियों को दिया। इस दौरान असाध्य रोगों के इलाज मामले में बी0पी0एल0 मरीजों के लिए दिए जाने वाले 50 करोड़ के अनुदान को खर्च करने को कहा और इस मद में अब तक मात्र 2.4 करोड़ ही खर्च किये जाने पर गहरी नाराजगी जतायी। भवन निर्माण में की जाने वाली गड़बड़ियों के लिए भी उन्होंने सिविल सर्जन को जिम्मेवार बताया। उन्होंने कहा कि जे0पी0एस0सी0 के माध्यम से होने वाली 750 चिकित्सकों की बहाली की प्रक्रिया यथाशीघ्र पूरी की जाए। ओ0पी0डी0 एवं आइ0पी0डी0 में पदस्थापित प्रत्येक चिकित्सक कितने मरीजों को चिकित्सीय जांच करते हैं, इसका ब्यौरा विभाग को उपलब्ध कराएं। बेहतर कार्य करने वाले चिकित्सकों को सरकार की ओर से पुरस्कृत किया जाएगा।

मौके पर अभियान निदेशक श्री सिंहमार ने कहा कि उपकरणों के रखरखाव एवं मैपिंग के लिए एक एजेंसी का सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने उपरोक्त निदेर्शों के अनुपालन हेतु सारे जरूरी कदम उठाने का निर्देश अधिकारियों को दिया।

इस अवसर पर निदेशक प्रमुख (स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ सुमंत मिश्रा, संयुक्त सचिव बी0के0 मिश्रा, उप सचिव रामकुमार सिन्हा, निदेशक डॉ रमेश, डॉ मंजू कुमारी, डॉ ए0के0 चौधरी, उपनिदेशक डॉ तुनुल हेमरोम, डॉ अजीत कुमार प्रसाद, अपर निदेशक डॉ एम0एन0 लाल सहित सभी जिले के सिविल सर्जन, आर0डी0डी0, एन0एच0एम0 झारखंड के कंसलटेंट उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग